doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

HINDI (COURSE A) 2018

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था मैं बुराई करने वालों को सजा

देने का उपाय ढूंढने लगे तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। $ आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर

मोहाध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है, और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है। $ गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं।

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूंढने लगे तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। $ आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद

हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहाध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है, और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

$ बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूंढने लगे तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। $ आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद

हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहाध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है, और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

$ 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूंढने लगे तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। $ आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद

हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहाध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है, और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

$ असहयोग से क्या तात्पर्य है?

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूंढने लगे तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। $ आपके असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद

हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहाध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है, और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

$ उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक दीजिए ।

View Text Solution

खण्ड ख

1. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $ बालगोबिन जानते हैं कि अब बुढ़ापा आ गया। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए।)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $ मॉरीशस की स्वच्छता देखकर मन प्रसन्न हो गया| (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $ गुरुदेव आराम कुर्सी पर लेटे हुए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

4. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : $ मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों ने नोटिस थमा दिया। (कर्मवाच्य में)

View Text Solution

5. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : $ देशभक्तों की शहादत को आज भी याद किया जाता है। (कर्तृवाच्य में)

View Text Solution

6. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : $ खबर सुनकर वह चल भी नहीं पा रही थी । (भाववाच्य में)

View Text Solution

7. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए : $ जिस आदमी ने पहले-पहल आग का आविष्कार किया होगा, वह कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा। (कर्तृवाच्य में)

View Text Solution

8. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए।

अपने _____ छूने के लिए _____ ।

View Text Solution

9. 'रति' किस रस का स्थायी भाव है?

View Text Solution

10. करुण' रस का स्थायी भाव क्या है?

View Text Solution

11. हास्य' रस का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

12. निम्नलिखित पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए : $ मैं सत्य कहता हूँ सखे! सुकुमार मत जानो मुझे, $ यमराज से भी युद्ध को, प्रस्तुत सदा मानो मुझे।

View Text Solution

खण्ड ग

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ जीप कस्वा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही

सोचते रहे, और अंत में निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग या कद का नहीं, उस भावना का है: वरना तो देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है। $ दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। $ हालदार साहब को कस्बे के नागरिकों का कौन-सा प्रयास सराहनीय लगा और क्यों?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ जीप कस्वा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग या कद का नहीं, उस भावना का है: वरना तो देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है। $ दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। $ 'देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज होती जा रही है। इस पंक्ति में देश और लोगों की किन स्थितियों की ओर संकेत किया गया है?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ जीप कस्वा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग या कद का नहीं, उस भावना का है: वरना तो देशभक्ति भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है। $ दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया

कि चश्मा दूसरा है। $ दूसरी बार मूर्ति देखने पर हालदार साहब को उसमें क्या परिवर्तन दिखाई दिया?

View Text Solution

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए: $बालगोबिन भगत पाठ में किन सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है?

View Text Solution

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए: $ काशी में बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक हैं - कथन का क्या आशय है?

View Text Solution

6. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ सूरदास $ हमारे हरि हारिल की लकरी। $ मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। $ जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी। $ सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। $

सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। $ यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी। $ हारिल की लकरी' किसे कहा गया है और क्यों?

View Text Solution

7. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ सूरदास $ हमारे हरि हारिल की लकरी। $ मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। $ जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी। $ सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। $ सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। $ यह तौ

'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी। $ तिनहिं लै सौंपौ' में किसकी ओर क्या संकेत किया गया है?

View Text Solution

8. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए : $ सूरदास $ हमारे हरि हारिल की लकरी। $ मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। $ जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी। $ सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। $ सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। $ यह तौ

'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी। $ गोपियों को योग कैसा लगता है? क्यों?

View Text Solution

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए :

बादलों की गर्जना का आह्वान कवि क्यों करना चाहता है?

'उत्साह कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए :

कन्यादान कविता में व्यक्त किन्हीं दो सामाजिक कुरीतियों का उल्लेख कीजिए।

View Text Solution

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20 शब्दों में लिखिए :

संगतकार की हिचकती आवाज उसकी विफलता क्यों नहीं है?

View Text Solution

खण्ड घ

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए।

महानगरीय जीवन $ विकास की अंधी दौड़ $ संबंधों का ह्रास $ दिखावा

View Text Solution

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए।

पर्वो का बदलता स्वरूप $ तात्पर्य $ परंपरागत तरीके $ बाजार का बढ़ता प्रभाव

View Text Solution

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए।

बीता समय फिर लौटता नहीं $ समय का महत्त्व $ समय नियोजन $ समय गँवाने की हानियाँ

View Text Solution

4. आपके क्षेत्र के पार्क को कूड़ेदान बना दिया गया था। अब पुलिस की पहल और मदद से पुनः बच्चों के लिए खेल का मैदान बन गया है। अतः आप पुलिस आयुक्त को धन्यवाद पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

View Text Solution

6. पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

View Text Solution

7. विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

View Text Solution